

प्रेषक,

एम0एच0खान
सचिव
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तराखण्ड पेयजल निगम,
देहरादून ।

पेयजल अनुभाग

देहरादून दिनांक 26 मार्च 2009

विषय:- केन्द्रपोषित योजनाओं पर देय सेन्टेज की प्रतिपूर्ति हेतु वित्तीय वर्ष 2008-09 में वित्तीय स्वीकृति ।

महोदय,

शासनादेश संख्या 531/उन्तीस/05-2(60पे0)/04 दिनांक 21.03.06 में दी गई व्यवस्थानुसार उत्तराखण्ड पेयजल ससाधन विकास एवं निर्माण निगम को केन्द्रपोषित योजनाओं के निर्माण पर दिनांक 01.04.05 से 12.5 प्रतिशत ग्रामर (सेन्टेज चार्ज) अनुमन्य किये जाने तथा पूर्ववर्ती वर्षों में 09 नवम्बर 2000 से 31.03.05 तक कम सेन्टेज गुगतान के कारण केन्द्रपोषित योजनाओं पर ऑकलित राशि जो योजनाओं की लागत से व्यावर्तन कर व्यय की गई है, के विनियमितीकरण हेतु आपके पत्र संख्या 881/धनावटन प्रस्ताव/ दिनांक 12.03.09 तथा पत्रांक भेम्प/कैम्प-देहरादून/1 दिनांक 23.03.09 द्वारा सेन्टेज चार्ज हेतु प्राप्त कराये गये रु0 4602.47 लाख की माँग के प्रस्ताव पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि त्वरित ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, त्वरित नागर पेयजल कार्यक्रम, गंगा कार्ययोजना द्वितीय चरण एवं गंगा कार्ययोजना द्वितीय चरण अतिरिक्त कार्य (70 प्रतिशत के0पा0) को केन्द्रपोषित योजनाओं हेतु माँग की गई सेन्टेज की उक्त धनराशि के शापेक्ष तदर्थ आधार पर चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में रु0 100.00 लाख (रु0 एक करोड़ मात्र) संगत मद में तथा रु0 900.00 लाख (रु0 नौ करोड़ मात्र) संलग्न बी0एम0-15 में उल्लिखित विवरणानुसार पुनर्विनियोग कर अर्थात् कुल रु0 1000.00 लाख (रु0 दस करोड़ मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु निम्न शर्तों के अधीन आपके निर्वहन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2 उपर्युक्त स्वीकृत अनुदान की धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल कोषागार देहरादून में प्रस्तुत करके आवश्यकतानुसार आहरण की जायेगी तथा आहरण से सम्बन्धित बिल बाउचर्स की संख्या व दिनांक की सूचना शासन को एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध करायी जायेगी।

3 उक्त स्वीकृति से व्यय की गई धनराशि का विस्तृत ब्यौरा तथा उपयोगिता प्रमाण पत्र पूर्ण व्यय विवरण सहित शारान तथा महालेखाकार, उत्तराखण्ड को चालू वित्तीय वर्ष की 31.03.09 तक अवश्य उपलब्ध करा दिया जायेगा।

4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का 31.03.2009 तक उपयोग करके वित्तीय / भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा एवं जो धनराशि दिनांक 31.03.2009 तक अप्रयुक्त रहती है उसी शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

5- उपरोक्त धनराशि का व्यय शासनादेश संख्या 531/उन्तीस/ 05/ 2(60पे0)/2004 दिनांक 31 मार्च, 2006 के अनुसार केन्द्रपोषित योजनाओं के निर्माण पर अनुमन्य की गई दर के सापेक्ष केन्द्रपोषित योजनाओं में ऑकलित धनराशि जो योजनाओं की योजनावार अनुमोदित लागत अथवा वास्तविक व्यय जो भी कम हो, के विरुद्ध कम सैन्टेज प्राप्त हुआ हो के विनियमितीकरण पर किया जायेगा।

6- केन्द्रपोषित योजनाओं पर भारत सरकार द्वारा तथा राज्य सरकार द्वारा देय सैन्टेज की सीमा किसी भी दशा में 12.5 प्रतिशत से अधिक अनुमन्य नहीं होगी। इससे अधिक सैन्टेज पर व्यय होने की दशा में विभागाध्यक्ष पूर्ण रूप से जिम्मेदार होंगे।

7- स्वीकृत की जा रही धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ अवमुक्त की जा रही है कि राज्य सरकार से विभिन्न योजनाओं/डिपॉजिट आधार पर विभिन्न निर्माण कार्यो हेतु निगम को समय-समय पर उपलब्ध कराई गई धनराशियों से जो ब्याज अर्जन हुआ हो तथा जिसे निगम द्वारा राजकोष में जमा न किया हो उस धनराशि का समायोजन देय सैन्टेज के सापेक्ष कर लिया जायेगा। इस सम्बंध में केन्द्रपोषित प्रत्येक योजनावार अनुमोदित लागत, प्राप्त धनराशि, वास्तविक व्यय, देय सैन्टेज, कम प्राप्त सैन्टेज के विवरण सहित विभिन्न योजनाओं/डिपॉजिट आधार पर निगम को योजनावार प्राप्त धनराशियों से अर्जित ब्याज का प्रमाणित विवरण शासन को दिनांक 30.06.09 तक उपलब्ध करा दिया जायेगा ताकि तदनुसार समायोजन करते हुए अत्येतर कार्यवाही की जा सके। भविष्य में देय सैन्टेज के भुगतान पर तभी विचार किया जायेगा जब उक्तानुसार प्रमाणित विवरण उपलब्ध करा दिया जाये।

8- उक्त व्यय वर्तमान चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के अन्तर्गत अनुदान संख्या-13 के लेखाशीर्षक 2215-जलपूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति- आयोजनागत- 101-शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम-07-केन्द्रपोषित योजनाओं पर देय विभागीय शुल्क का भुगतान- 00-20-साहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नागे खाला जायेगा।

9- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं०-1450/XXVII(2)/2009 दिनांक 25 मार्च, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न- बी०एम०-15

भवदीय
(एम०एच०खान)
सचिव

पृ०सं०-346(1) उत्तीस(2)/09-2(60पे०)/2004 तददिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून ।
2. आयुक्त गढ़वाल/कुमायू गण्डोल ।
3. जिलाधिकारी, देहरादून ।
4. कोषाधिकारी, देहरादून ।
5. वित्त अनुभाग-2/नियोजन/राज्य योजना आयोग/बजट सेल ।
6. मिजी सचिव, मा० पैयजल मंत्री को मा० मंत्री जी के अवलोकनार्थ ।
7. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून ।
8. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून ।
9. गार्ड फाईल ।

आज्ञा से

(टीकम सिंह पवार)

संयुक्त सचिव

बी0एम0-15 पुर्नविनियोग-2008-09

आयोजनागत

प्रत्येक अधिकारी-प्रत्येक निर्देशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम।

प्रशासनिक विभाग- पेयजल विभाग, उत्तराखण्ड शासन।

अनुदान संख्या-13

प्रतिष्ठान तथा लेखाशीर्षक

1	2	3	4	5	6	7	8
2215-जलापूर्ति तथा साफाई	मानक मद्दवार	वित्तीय वर्ष के	अवधि (सप्ताह)	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि	पुर्नविनियोग के बाद	पुर्नविनियोग के बाद	अनुयुक्त
01-जलापूर्ति-आयोजनागत।	आवधिक	अवधि		स्थानांतरित किया जाना है	स्वाम-5 की कुल	स्वाम-1 में अवशिष्ट	
102-शारीण जलापूर्ति कार्यक्रम	व्यय	अनुमानित व्यय			धनराशि	धनराशि।	
03-प्राथमिक पेयजल राज्य सेंटर							
00-							
20-सहायक अनुदान / असादान राजसहायता							
347700	138850	166150	300000(अ)	90000 (ख)	100000	257700	(क) इस मद में प्रविष्ट आबंटित न होने की कारण बचत (ख) योजना में मुट में आउटले उपलब्ध न होने तथा बाद में अतिरिक्त प्लान आउटले आबंटित होने पर इसकी अनुमानित बजट व्ययस्था न होने के कारण।
योग:-	347700	166150	300000	90000	100000	257700	

प्रमाणित किया जाता है कि पुर्नविनियोग से बजट मैनुअल के परिच्छेद 150,151,156,158 में उल्लिखित सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

(टीकम सिंह पवार)
संयुक्त सचिव

उत्तराखण्ड शासन

वित्त अनुभाग-2

संख्या 1450(क) XXVII-421 / 2009

देहरादून दिनांक: 25 मार्च 2009

पुर्नविनियोग स्वीकृत

हउ /

(एम0सी0जोशी)

अपर सचिव वित्त

सेवा में

महालेखाकार,

उत्तराखण्ड,

देहरादून।

संख्या 23/16 (क) / वनसीस / 09-2-(60पेप) / 2004, तद दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

1-कोषाधिकारी, देहरादून। 2 वित्त अनुभाग-2

3-जिमाधिकारी, देहरादून।

आज्ञा/से

(टीकम सिंह पवार)